

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre, Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30, Siddh Co-op. Hsg. Society,
Siddharth Nagar No.2, Goregaon (West),
Mumbai - 400 062. • Phone : 022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755



Web Site : www.shivkrupanandji.org • **Email :** samarpanmaster@gmail.com



11-10-11

मंगलवार

गुरुपौर्णिमा - 2012

सभी पुण्यात्माओं को मेरा नमस्कार - - -
सर्व प्रथम बार
ऐसा संभव हो सका की हमने "कच्छ समर्पण आश्रम"
में गुरुपौर्णिमा का उत्सव अपने स्थान पर मनाया
और गुरुशक्तियों को आमन्त्रित कर उन्हें वहां पर
स्थापित किया। और इसी के प्रभाव से इस बार
कच्छ में इतनी बरसात हुई की पिछले 70 साल
में नहीं हुई थी, और आज कच्छ की धरती हरौभरी-
और रकुषहाल हो गयी है, और आज भी वह
गुरुशक्तियां वहां विद्यमान हैं। इसी लिये इस साल
की गुरुपौर्णिमा का उत्सव श्री श्री दिनेश भाई
ठकुर (गांधीधाम) की अध्यक्षता में "कच्छ समर्पण
आश्रम" में 2 जुलाई 2012 से 4 जुलाई 2012
में मनाया जायेगा।

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre, Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30, Siddh Co-op. Hsg. Society,
Siddharth Nagar No. 2, Goregaon (West),
Mumbai - 400 062. • Phone : 022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755



Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

(२)

"गुरुपौर्णिमा का उत्सव" वह उत्सव है, जिस उत्सव की हजारों आत्मारों राह देखते रहती हैं। पर उस उत्सव में शामिल वही आत्मारों हो पाती हैं। जो वास्तव में शामिल होने के योग्य हो। आप शुद्ध इच्छा रखें गुरुशक्तियों स्वयंम आपको बुला लेगी। "योग्यता" गुरुकृपा में निर्माण हो जाती है। यह आत्मारों का "मेला" है। जो केवल "मोक्ष" की स्थिति पाने के एक मात्र उद्योग से रक्षक होती है। इसी कारण इस उत्सव का "चैतन्य" हमें सालभर "प्रलम्ब" रहता है। आप सभी आत्मारों उस उत्सव में एक बड़ी सायुधैकता में शामिल हो। यह मेरी शुद्ध इच्छा है। आप सभी को रक्ब रक्ब आर्शिवाद ---

— आपका
दादास्वामी
॥॥१०॥॥
(पौर्णिमा,)